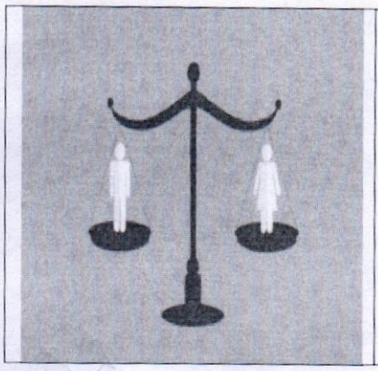

कार्यालय रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (मध्य कमान), 1 करियप्पा मार्ग, लखनऊ छावनी-226002
Office of the Principal Controller of Defence Accounts (Central Command)
1, Cariappa Road, Lucknow Cantt – 226002

महत्वपूर्ण परिपत्र

संख्या : स.एव प./2919/सा.प./जेंडर संवेदीकरण

दिनांक-14/09/2020

विषय – Gender sensitization

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।

यत्रेतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तफला: क्रिया।।

"जहाँ नारी का समादर होता है वहाँ देवता प्रसन्न रहते हैं और जहाँ ऐसा नहीं है वहाँ समस्त यज्ञादि क्रियाएं व्यर्थ होती हैं।"

लैंगिक असमानता एक ऐसा विचार है जो समाज में लैंगिक आधार पर व्यक्ति के काम, गुण, जिम्मेदारियाँ ,व्यवहार व प्रतिभा को निर्धारित करता है।

हमे यह बात ध्यान मे रखना चाहिए सृष्टि की रचना में एवं उसको क्रियाशील बनाए रखने मे नारी और पुरुष दोनों का महत्व है। वे एक दूसरे के पूरक हैं और इसी रूप में उनके जीवन की सार्थकता भी है। अवश्य ही युग परिवर्तन के साथ हमारे आचार-विचार में और हमारे स्वभाव ,आवश्यकताओं में परिवर्तन होना वांछनीय है परंतु जीवन के मौलिक सिद्धान्तों से समझौता ठीक नहीं है।

एक समाज के रूप में हम लिंग संवेदीकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार और बहस को प्रोत्साहित करने में नाकाम रहे हैं। एक समाज केवल तभी प्रगतिशील हो सकता है जब हम यह मान लें कि महिला और पुरुष दोनों सदस्यों का समान महत्व है। एक समाज से दूसरे समाज में यह भूमिकाएं भिन्न हो सकती हैं। लेकिन सार्वभौमिक तथ्य यह है कि महिलाओं और पुरूषों का महत्व समान हो।

यह वह समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण शुरू करना होगा, हमें इस तथ्य को पहचानना होगा कि सभी स्तरों पर एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जो लैंगिक पक्षपात से भरा हुआ है। हमें अपने घरों में,समाज मे एवं कार्यालय मे लिंग समानता के मूल्यों पर ध्यान देना चाहिए। सही बदलाव करने में कभी भी देर नहीं होती है, यह बदलाव घर और समाज और कार्य स्थल से शुरू हो सकता है। हमें सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारी विरासत संपूर्ण युवा पीढ़ी को एक समान अवसर प्रदान करे। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यालयों मे यह प्रण लिया जाना चाहिए कि कार्यालय में लिये

गए सभी निर्णय और कार्रवाई में लिंग की समानता एवं महिला और पुरूष अधिकारियों /कर्मचारियों के बीच आपसी आदर भाव सुनिश्चित करें।

साथ ही साथ सभी से अनुरोध है कि इस परिपत्र के साथ सलग्न slogans को अपने कार्यालयों मे उचित स्थान पर लिखवाएँ ताकि महिला एवं पुरुष के बीच समानता का भाव विकसित हो सके।

आप सभी को हिन्दी दिवस की अनंत शुभकामनायें।

प्रधान नियंत्रक द्वारा अवलोकित।

(पंकज उपाध्याय)
संयुक्त नियंत्रक

प्रतिलिपि –

i- मुख्य कार्यालय के समस्त अनुभाग
ii- इस संगठन के सभी उप कार्यालय

"स्त्री पुरुष ईश्वर की अनुपम कृति

असमानता रख कर न करो विकृति"

"भेदभाव जुल्म हटाएँगे, नई दुनिया बसाएंगे

नया है सफर नई है डगर हम महिलाएं ऐसे ही आगे बढ़ते जाएंगे"

"मैं भी छू सकती हूँ आकाश

मौके की है मुझे तलाश"

"ज़िम्मेदारी लेकर नारी भर रही उड़ान है

न कोई शिकायत न कोई थकान है"

"हम पुरुष और नारी कदम से कदम मिलाएंगे

भेदभाव और असमानता कभी नहीं अपनाएँगे"